मिकी का चुंबक



फ़्रैंकलिन एम. ब्रैनली और एलेनोर

चित्र: क्रॉकेट जॉनसन

मिकी का चुंबक

फ़्रैंकलिन एम. ब्रैनली और एलेनोर

चित्र: क्रॉकेट जॉनसन

मिकी एक चित्रों वाली पुस्तक पढ़ रहा था.

तभी उसकी माँ ने कहा,

"मिकी, ज़रा मेरे लिए पिनों का डिब्बा लाओ."





मिकी ने अपनी किताब छोड़ी और वो पिनों का डिब्बा लेकर आया. वह डिब्बे को अपनी माँ को देने के लिए दौड़ा.

लेकिन बेचारा मिकी गिर पड़ा.

पिनें पूरे फर्श पर बिखर गईं - कुछ दरारों में, कुछ गलीचे पर, और कुछ बड़ी नीली कुर्सी पर बिखर गईं.

यह बड़ी गड़बड़ हुई!



मिकी पिनों को उठाने लगा. एक पिन.

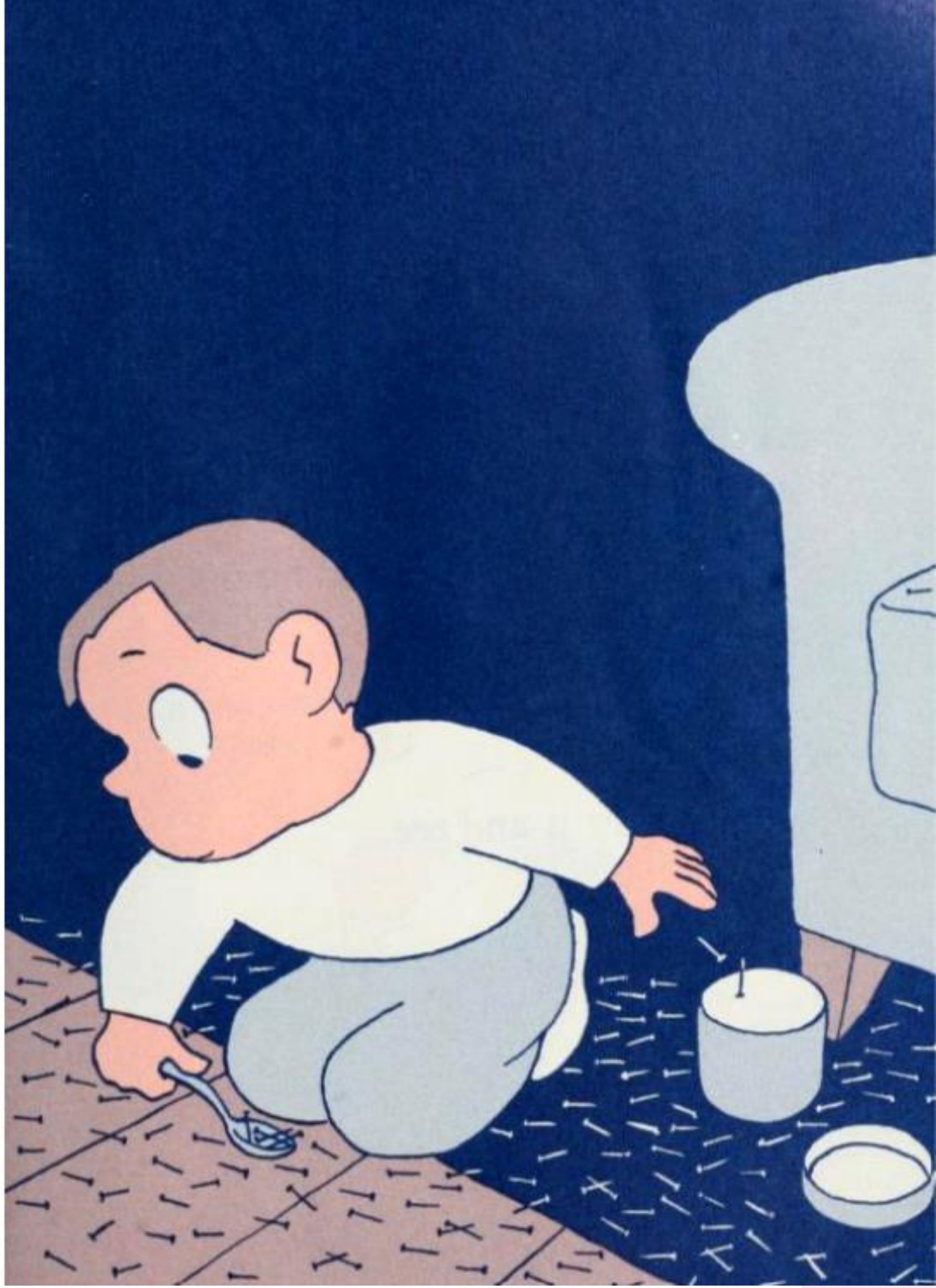
दो पिन. फिर एक बार में तीन पिनें.

लेकिन उससे काम बहुत धीमे हुआ.

शायद चम्मच से कुछ मदद मिले.

एक चम्मच. दो चम्मच. लेकिन उससे

भी काम तेजी से नहीं हुआ.



"शायद घोड़े की नाल वाला चुंबक मदद करे?"

मिकी ने ऊपर देखा.

उसके पिताजी ने उसे एक भारी चीज़ पकड़ा दी.

शायद उससे कुछ मदद मिले?

आख़िर कैसे?

क्या चुम्बक, पिनों को एक ढेर में धकेल देगा?

मिकी कोशिश करके देखेगा.



बढ़िया! तमाम पिनें, चुंबक के सिरे पर चिपक गईं.

फिर उसे पिनों को एक-साथ इकट्ठा करने और धकेलने की ज़रूरत नहीं पड़ी.



"काम बन गया!" मिकी ने अपनी माँ से कहा.

उसने चुंबक को हिलाया.

उससे कुछ पिनें उसकी माँ की गोद में गिर गयीं.

बाकी पिनें चुंबक पर लटकी रहीं.

उसे उन्हें खींचकर हटाना पड़ा.

यह बड़ा मज़ेदार खेल है!

जल्द ही वो उस खेल का कुछ और मज़ा लेगा.



उसने चुंबक को गलीचे पर रखा और खींचा.

वो चुंबक को फर्श की दरार के पास ले गया.

उसने चुम्बक को बड़ी नीली कुर्सी पर घुमाया.

अब उसके पास सभी पिनें आ गईं.

उसने डिब्बा फिर से भर दिया.

वह पिनों को दुबारा गिराकर

उन्हें फिर से उठाना चाहता था.

लेकिन मां को उन पिनों की तुरंत जरूरत थी.



मिकी ने मां की सिलाई की टोकरी में देखा.

उसमें तमाम चीजें भरी थीं -

कैंची और बटन,

सुई और धागा,

प्लास्टिक की थिम्बल,

हुक्स का पैकेट.

उसने चुंबक को टोकरी में धकेला.

चुम्बक से चिपककर कैंची, सुई और हुक ऊपर आ गये.

लेकिन कोई बटन नहीं?

कोई धागा नहीं? कोई थिम्बल नहीं?

ऐसा लगा जैसे कि चुंबक केवल धातु की चीज़ों को ही

चिपकाता हो.



उसने कैंची, सुई और हुक को उठाया.

फिर उसने अन्य चीजें उठाने के लिए इधर-उधर देखा.

उसने कुछ अन्य चीजों को उठाने की भी कोशिश की

एक चीनी-मिट्टी की बनी बिल्ली,

एक छोटा सा कांच का बर्तन,

एक कागज का टुकड़ा,

और एक चिकना, गोल पत्थर.

चुंबक ने उनमें से किसी भी चीज़ को नहीं पकड़ा.

बेहतर होगा कि मिकी कुछ अन्य चीजें तलाश करे.





क्या उसे रसोई में कुछ मिलेगा?

एक बोतल का मुड़ा हुआ ढक्कन,

सफ़ेद साबुन का एक टुकड़ा,

और एक चमकदार सिक्का.

रस्टी कुत्ते के कटोरे के बगल में

फर्श पर पड़ी उसकी रबर की हड्डी?

मिकी नीचे बैठ गया.

चुंबक ने सब कुछ छोड़ दिया.

बोतल का ढक्कन नीचे गिर गया.

सिक्का भी पानी में गिर गया!



शायद चुंबक सिक्के को बाहर निकाल दे.

चुंबक से बोतल का ढक्कन बाहर आ गया.

लेकिन सिक्का बाहर नहीं आया.

मिकी ने काफी कोशिश की.

फिर भी सिक्का बाहर नहीं आया.

उसे सिक्के को अपनी उंगलियों से

ही बाहर निकालना होगा.

चुम्बक ने सिक्के को उसकी हथेली से भी नहीं उठाया.

चुंबक मे पैसा भी नहीं उठाया, चाहे सिक्का सूखा हो

या गीला!

लेकिन क्या सिक्का धातु का नहीं बना था?

मिक्की को कुछ समझ में नहीं आया.

पर पिताजी को ज़रूर पता होगा.

फिर दोनों ने मिलकर प्रयास किया

एक अठन्नी,

एक रुपए का सिक्का,

एक एल्यूमीनियम की कटोरी.



मिकी के पिता ने कहा, "चुंबक केवल लोहे

और स्टील को ही आकर्षित करता है.

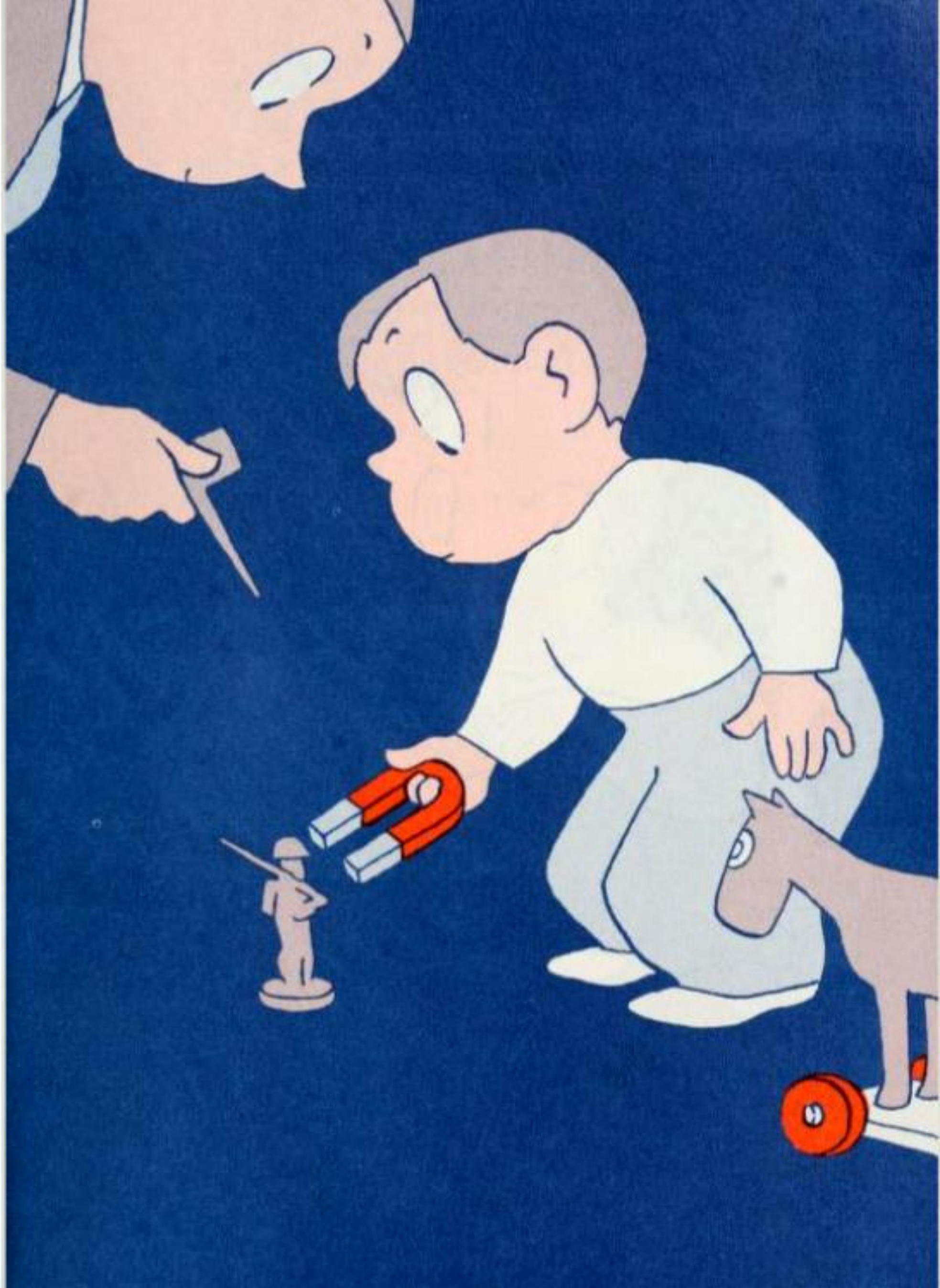
चुम्बक अन्य धातुओं को नहीं खींचता है."

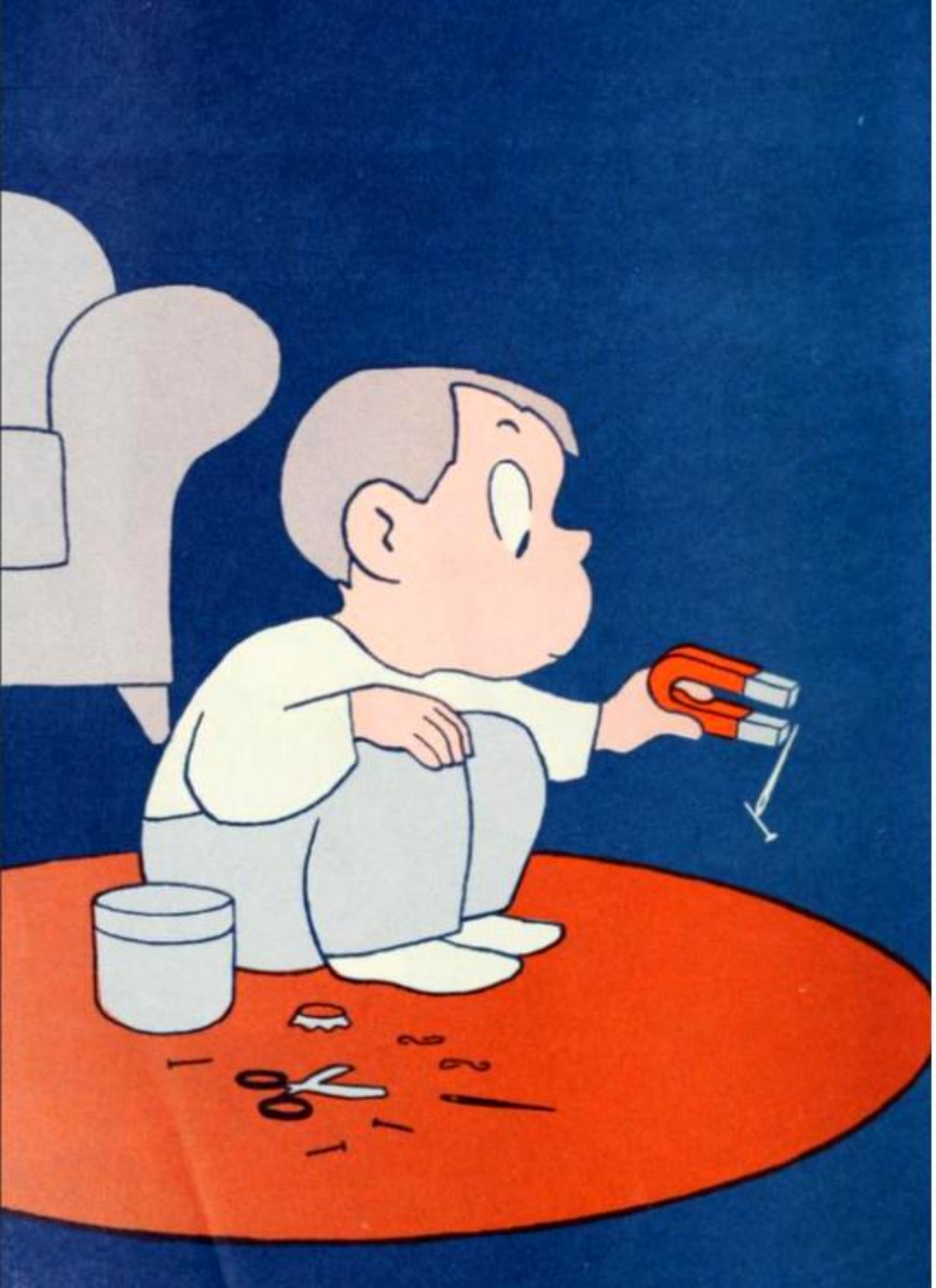
मिकी ने चुंबक से लकड़ी के घोड़े को छुआ.

लेकिन कुछ नहीं हुआ.

सीसे से बने सैनिक के साथ क्या होगा?

उसमें तो कुछ भी लोहा या स्टील नहीं है!





फिर वो इकट्ठी की गई चीज़ों के साथ खेलने के लिए बैठ गया.

सबसे पहले उसने चुंबक से एक सुई को उठाया.

उस सुई से एक पिन लटकने लगी.

इसका मतलब सुई भी एक चुंबक बन गई होगी!



फिर मिकी ने चुंबक से सुई को खींचकर अलग किया.

उससे पिन तुरंत नीचे गिर गई.

उसने सुई से दुबारा पिन को उठाने की कोशिश की. लेकिन कुछ भी नहीं हुआ.

इसका मतलब अब सुई, चुंबक नहीं रही!



मिकी ने फिर से चुंबक पर सुई चिपकाई और

फिर उसने सुई से पिन को छुआ.

उसने फिर से सुई ने पिन को उठाया.

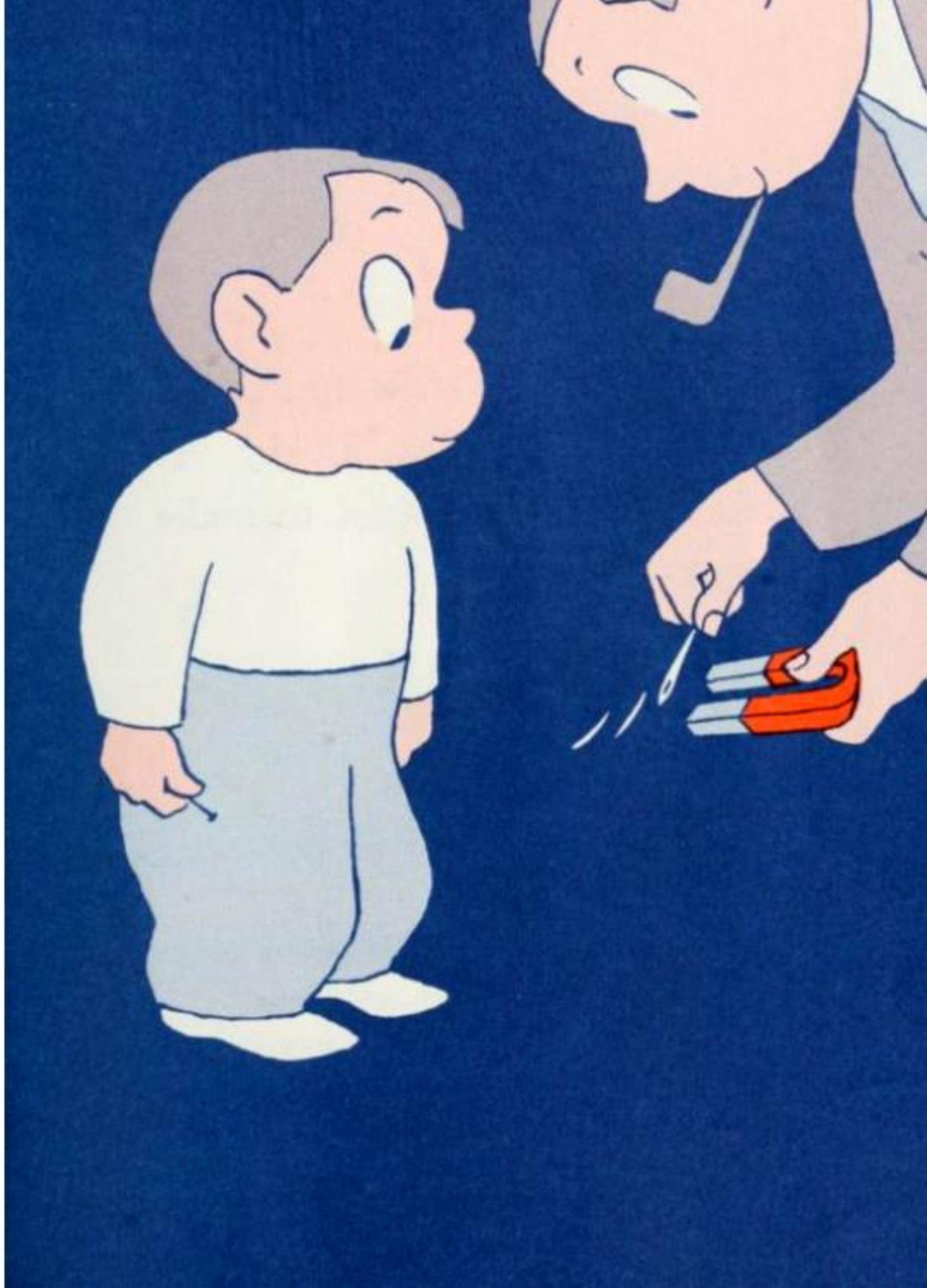
"देखो," उसने अपने पिताजी से कहा,

"कभी-कभी सुई भी एक चुंबक बन जाती है."

"हाँ," पिताजी ने कहा, "और ज़रा यह देखो."

जब उसके पिता घोड़े की नाल वाले चुंबक पर सुई को रगड़ने लगे तो मिकी ने गिनती की.

पांच बार...दस बार...बीस बार.

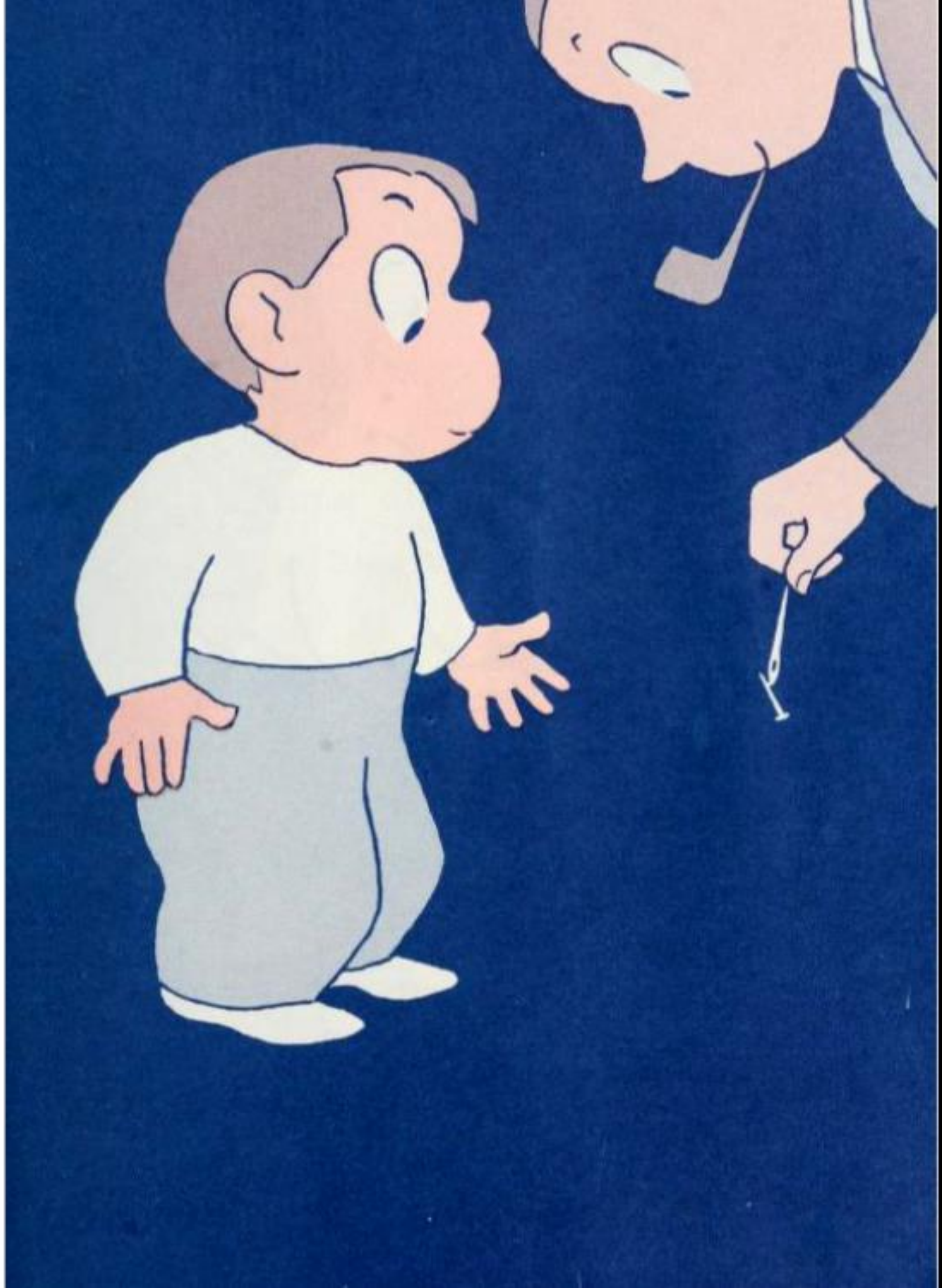


अब चुम्बक पर घिसी हुई सुई, पिन को दुबारा उठा पाई.

"एक चुंबक!" मिकी चिल्लाया.

"अब मेरी सुई, एक पिन को उठा पाती है!

अब मैं भी उसी तरह का एक चुंबक बनाऊंगा."





मिकी ने एक दूसरी सुई ली.

उसने उसे चुम्बक पर रगड़ा.

उसने सुई को घोड़े की नाल वाले चुंबक पर कई बार रगड़ा.

उसने सुई को हमेशा एक ही दिशा में रगड़ा.

फिर वो सुई एक चुंबक का काम करने लगी!



"देखो, मैंने एक चुंबक बनाया है." वह अपनी माँ के पास दौड़कर गया.

ओह-ह-ह-ह... अरे बाप रे! पिन का डिब्बा फिर से गिर गया.

पूरे फर्श पर फिर से पिनें फैल गईं.



मिकी ने पिनें उठाना शुरू कर दीं.

लेकिन इस बार उसके लिए यह काम आसान था.

क्योंकि उसके पास एक चुंबक था.

एक ऐसा चुंबक जो मिकी ने खुद बनाया था.





चुम्बक कई प्रकार के होते हैं.

मिकी ने घोड़े की नाल वाले चुंबक से पिनें उठाईं.

क्या तुम अपने चुंबक से पिनें उठा सकते हो?

मिकी ने जो कुछ किया, उसे करने के लिए तुम किसी भी चुंबक का उपयोग कर सकते हो.

तुम अपने चुंबक के बारे में और क्या नया पता लगा सकते हो?

देखो मिकी अपने चुंबक से क्या उठा रहा है.

तुम भी चुंबक के साथ कई मजेदार चीजें कर सकते हो.

